STUDY NOTES · BASIC CONCEPT

What is a Skill Economy? What is OPT?

Current Affairs
26 Apr 2006

अमेरिका में टेक स्टार्टअप्स क्यों दे रहे हैं
करोड़ों की सैलरी (What is Skill Economy? Read at the end)

अमेरिका में इस समय “Skill Economy” चल रही है, जिनके पास AI और टेक्नोलॉजी
की मजबूत समझ है, उनके लिए करोड़ों की नौकरी के दरवाजे खुले हैं। आज
अमेरिका में खासकर AI, Data Science और Machine Learning जैसे सेक्टर में
स्किल्ड लोगों की भारी कमी हो गई है। इसी वजह से टेक स्टार्टअप्स
टॉप टैलेंट को आकर्षित करने के लिए ₹2.5 करोड़ तक सालाना सैलरी ऑफर
कर रहे हैं। यह सिर्फ सैलरी नहीं बल्कि स्टॉक ऑप्शन और बोनस के साथ
एक पूरा पैकेज होता है। अभी टेक इंडस्ट्री में “टैलेंट वॉर ” चल रही
है, जहां कंपनियां अच्छे इंजीनियर और डेवलपर्स को किसी भी कीमत पर
अपने साथ जोड़ना चाहती हैं।

Big Tech की धीमी भर्ती से बढ़ा स्टार्टअप्स का मौका

Google, Amazon और Meta जैसी बड़ी कंपनियों ने हाल के समय में H-1B hiring कम कर
दी है और कई जगह layoffs भी हुए हैं। इससे मार्केट में काफी टैलेंट
उपलब्ध हो गया है। इसी का फायदा अब स्टार्टअप्स उठा रहे हैं और तेजी
से hiring कर रहे हैं। यानी जहां Big Tech धीमा पड़ा है, वहां स्टार्टअप्स
ने मौका पकड़ लिया है।

OPT क्या है और क्यों है इतना जरूरी

OPT यानी Optional Practical Training, F-1 visa पर पढ़ने वाले स्टूडेंट्स को पढ़ाई
के बाद अमेरिका में काम करने की अनुमति देता है। यह आमतौर पर 12
महीने के लिए होता है, लेकिन STEM (Science, Technology, Engineering, Mathematics)
स्टूडेंट्स को 24 महीने का अतिरिक्त एक्सटेंशन मिलता है, यानी कुल
36 महीने तक काम करने का मौका मिल सकता है। यही वजह है कि OPT, H-1B से
पहले का सबसे बड़ा entry route बन गया है।

www.becomeias.com YouTube: becomIAS | Instagram: howtobecomeias

OPT वाले कैसे पाएं नौकरी

OPT वाले छात्रों के लिए सबसे जरूरी है सही skills चुनना। आज के समय में
AI, Machine Learning, Data Science, Cloud Computing (AWS, Azure) और Programming (Python, Java, SQL) की
बहुत ज्यादा मांग है। इसके साथ ही स्टार्टअप्स को टारगेट करना एक
smart strategy है क्योंकि वे OPT candidates को ज्यादा आसानी से hire करते हैं।
Networking भी बहुत महत्वपूर्ण है —LinkedIn connections, alumni network और referrals से job
मिलने की संभावना काफी बढ़ जाती है। इसके अलावा LinkedIn, AngelList और
university portals जैसे प्लेटफॉर्म्स का सही इस्तेमाल करना चाहिए और resume
को “OPT accepted” और “visa friendly” जैसे keywords के साथ optimize करना चाहिए।

सैलरी का वास्तविक सच

Entry-level OPT jobs में आमतौर पर $60K–$90K (₹50–75 लाख) तक सैलरी मिलती है, लेकिन
अगर आपके पास high-demand skills और experience है, तो यह सैलरी $150K–$300K (₹1.2–2.5
करोड़ +) तक भी जा सकती है। यानी करोड़ों की सैलरी सिर्फ उन्हीं को
मिलती है जिनके पास strong skills और expertise होती है।

OPT वालों को क्यों मिल रहा है फायदा

आज के समय में H-1B वीज़ा के नियम सख्त हो गए हैं और इसकी प्रक्रिया
महंगी भी हो गई है। कंपनियां short-term और flexible hiring चाहती हैं, इसलिए वे
OPT candidates को ज्यादा prefer कर रही हैं। इससे छात्रों को अमेरिका में
entry लेने और experience हासिल करने का अच्छा मौका मिल रहा है।

भारतीय छात्रों के लिए क्या मायने

भारतीय छात्रों के लिए यह एक बड़ा अवसर है, खासकर STEM फील्ड में
पढ़ाई करने वालों के लिए। लेकिन इसके साथ competition भी काफी बढ़ गया
है। इसलिए सिर्फ डिग्री से काम नहीं चलेगा , बल्कि strong skills, सही strategy
और networking जरूरी है।

निष्कर्ष

www.becomeias.com YouTube: becomIAS | Instagram: howtobecomeias

अमेरिका में इस समय “Skill Economy” चल रही है, जहां skills के आधार पर ही सफलता तय हो रही है। जिनके पास AI और टेक्नोलॉजी की मजबूत समझ है, उनके लिए करोड़ों की नौकरी के दरवाजे खुले हैं। OPT students इस मौके का सबसे
ज्यादा फायदा उठा सकते हैं, अगर वे सही दिशा में मेहनत करें।

What is a Skill Economy?

The Skill Economy (or Skills Economy) is a major shift in how the world of work operates.It’s an economic and labor market model where individual skills and demonstrated abilities — not degrees, job titles, credentials, or years of experience — become the primary “currency” for hiring, promotions, career growth, and business

success.

In a Traditional model (Knowledge Economy / Degree-based): Success was measured by formal education, diplomas, and job titles. You got a degree → got a job → climbed the ladder.

But today, in a new model (Skill Economy): What matters most is what you can actually do right now, how quickly you can learn new things, and how you apply those skills in real situations. Skills are the atomic unit of value.

In this economy:

Employers hire, pay, and promote based on verifiable skills (often measured through assessments,
portfolios, projects, or AI-driven skill profiles).
Traditional degrees are losing their gatekeeping power. Many companies have dropped degree
requirements entirely.
Lifelong upskilling and reskilling become essential because technology (especially AI) changes job requirements very fast.

Why Is This Happening Now?

Rapid technological disruption (AI, automation, digital tools)
Global skills shortages
Need for agility in a fast-changing world
Push for more equitable hiring (opening doors for people without elite degrees)

www.becomeias.com YouTube: becomIAS | Instagram: howtobecomeias

The World Economic Forum describes it as: “a transformational shift… placing individual skills — the skills we have and need, and our ability to acquire new ones — at the forefront of decision-making, while challenging the significance of traditional credentials and job titles.”

## What It Means in Practice?

| For Individuals | For Companies | For Education |
|---|---|---|
| Focus on building & proving skills (badges, projects, certifications) | Skills-first hiring & internal mobility | Move toward competency-based learning instead of just degrees |
| Continuous learning becomes your biggest career asset | Better talent matching, higher productivity | Skills visibility (e.g., digital skill passports) |
| Higher earning potential through upskilling | Reduced reliance on expensive degree filters | Lifelong learning culture |

BECOME IAS
AI-Powered UPSC Preparation by ZINKPOT